# 22.
# वैज्ञानिक संसाधन प्रबंधन

कृषि वैज्ञानिक चयन मण्डल (एएसआरबी) द्वारा निर्धारण एवं नियुक्ति प्रक्रिया को कहीं अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में अनेक सुधार किए गए हैं। वर्ष 2014-15 के दौरान की महत्वपूर्ण गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण नीचे प्रस्तुत है:

माननीय कृषि मंत्री एवं अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. को वार्षिक रिपोर्ट 2013-14 प्रस्तुत करते हुए अध्यक्ष, एएसआरबी.

## एआरएस परीक्षा 2013

कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) (प्रारंभिक) परीक्षा का आयोजन 29 दिसम्बर, 2013 को देश के विभिन्न 33 केन्द्रों पर किया गया, जिसमें 48 विषयों में कुल 12,841 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। मुख्य परीक्षा के लिए 3,638 अभ्यर्थी योग्य पाए गए तथा वास्तव में 3,239 अभ्यर्थियों ने ही मुख्य परीक्षा में भाग लिया जो कि देशभर के 12 केन्द्रों पर 9 मार्च, 2014 को आयोजित की गई। 48 विषयों में 506 रिक्तियों के लिए कुल 1,104 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। नियुक्ति के लिए मण्डल द्वारा कुल 362 अभ्यर्थियों की सिफारिश की गई। नियुक्ति के लिए सिफारिश किए गए कुल 362 अभ्यर्थियों में महिला अभ्यर्थियों की संख्या 113 थी।

## राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)-2014 (I)

पहली बार देशभर के 23 केन्द्रों पर 55 विषयों में दिनांक 26 मार्च, 2014 से 4 अप्रैल, 2014 तक राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)-2014 (I) का आयोजन पूरी तरह से ऑन-लाइन मोड में किया गया। आवेदन का प्रस्तुतीकरण, पंजीकरण, फीस का भुगतान, प्रवेश पत्र जारी करना, परीक्षा प्रशासन तथा परिणाम की घोषणा सभी के लिए ऑन-लाइन प्रक्रिया अपनाई गई। परीक्षा के लिए कुल 18,245 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए जिनमें से 14,178 (77.7 प्रतिशत) परीक्षा में शामिल हुए और 2,712 (19.13 प्रतिशत) अभ्यर्थी ही नेट प्रमाणन के लिए पात्रता हासिल कर पाए।

पोल्ट्री विज्ञान विषय में जहां सर्वाधिक अभ्यर्थी (75 प्रतिशत) पात्रता हासिल कर सके वहीं इसके बाद क्रमश: पुष्पविज्ञान एवं भूदृश्य निर्माण (55.6 प्रतिशत) तथा मत्स्य आनुवंशिकी एवं प्रजनन (53.3 प्रतिशत) विषयों में अभ्यर्थी पात्रता हासिल कर सके। पशु प्रजनन एवं गाइनिकोलोजी तथा गृह विज्ञान विषय में हालांकि क्रमश: 94 एवं 133 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया लेकिन कोई भी अभ्यर्थी इन विषयों में पात्रता हासिल नहीं कर सका। 19 से भी अधिक विषयों में सफलता की दर 10 प्रतिशत से भी कम थी। कृषि जैव-प्रौद्योगिकी विषय में जहां सर्वाधिक संख्या (2,325) में अभ्यर्थियों ने भाग लिया जो कि परीक्षा में भाग लेने वाले कुल अभ्यर्थियों का 16.4 प्रतिशत था वहीं कृषि संरचना एवं पर्यावरण प्रबंध विषय की परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों का प्रतिशत (0.04 प्रतिशत) सबसे कम रहा।

## सीधी भर्ती

अनुसंधान प्रबंधन पदों सहित 193 वैज्ञानिक पदों पर सीधी भर्ती करने के लिए कार्रवाई प्रारंभ की गई। कुल 1,921 आवेदन प्राप्त हुए तथा स्क्रीनिंग समिति द्वारा गहन जांच करने के उपरांत 768 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। कुल 551 अभ्यर्थियों ने ही साक्षात्कार में भाग लिया और 135 पदों को ही भरा जा सका। वरिष्ठ वैज्ञानिकों के 14 मामलों में साक्षात्कार के लिए कोई अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं था। 44 मामले जिनमें कि निदेशकों, संभागाध्यक्षों, वरिष्ठ वैज्ञानिकों तथा कार्यक्रम समन्वयकों के पद भी शामिल थे, के लिए कोई उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं था

## संशोधित कैरियर उन्नयन स्कीम (सीएएस)

कुल 17 विषयों में वरिष्ठ वैज्ञानिक से प्रधान वैज्ञानिक के ग्रेड में पदोन्नति के लिए कुल 47 वैज्ञानिकों का निर्धारण किया गया और उनका साक्षात्कार लिया गया। इसी प्रकार, पुरानी कैरियर उन्नयन स्कीम जो कि 31 दिसम्बर, 2008 तक प्रभावी थी, के अंतर्गत तीन विषयों में 3 निर्धारण/पुन: निर्धारण मामलों पर, विचार किया गया।

## सुधार

### ऑन-लाइन परीक्षा प्रणाली

कृषि वैज्ञानिक चयन मण्डल (एएसआरबी) द्वारा कम्प्यूटर आधारित परीक्षाओं का आयोजन कर देशभर में स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों एवं राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के 23 परीक्षा केन्द्रों पर 2,020 कम्प्यूटर नोड्स के एक नेटवर्क के साथ ऑन-लाइन परीक्षा प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया गया। सभी

ऑन-लाइन परीक्षा प्रणाली का शुभारंभ

परीक्षा केन्द्र स्टेट ऑफ दि आर्ट हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर टूल्स से पूरी तरह सुसज्जित हैं। इस प्रणाली के अंतर्गत आवेदनों को ऑन-लाइन जमा कराना, परीक्षा शुल्क का भुगतान करना, परीक्षा केन्द्र आवंटित करना, प्रवेश पत्र सृजित करना तथा परिणामों की घोषणा करना आदि शामिल हैं। प्रश्न बैंक का सृजन करने के लिए साफ्टवेयर माड्यूल तथा प्रश्न बैंक का उपयोग करके प्रश्न-पत्र हासिल करने की सुविधा भी विकसित की गई है।

सभी 56 विषयों में प्रश्नों की एक बड़ी रिपॉजिट्री को पहले ही डिजिटल प्रारूप में विकसित किया जा चुका है। समग्र परीक्षा प्रणाली की लेखा परीक्षा किसी तीसरे पक्ष के ऑडिटर्स द्वारा की जाती है ताकि परीक्षा की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। परीक्षा केन्द्रों के नोडल अधिकारियों एवं तकनीकी स्टॉफ को ऑन-लाइन परीक्षा प्रक्रिया में विधिवत प्रशिक्षित किया गया है। स्वचालित पंजीकरण प्रक्रिया, प्रवेश पत्र का सृजन एवं उन्हें जारी करना, परीक्षाओं का आयोजन तथा परिणाम की घोषणा से मानवशक्ति, समय तथा लागत में उल्लेखनीय बचत हुई है। पहली पूर्णत: ऑन-लाइन परीक्षा का सफल आयोजन दिनांक 26 मार्च, 2014 से 4 अप्रैल, 2014 के दौरान राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) 2014 (I) के लिए किया गया जिसके लिए ऑन-लाइन पंजीकरण प्रक्रिया फरवरी, 2014 में प्रारंभ की गई थी।

## सीधी भर्ती के लिए स्कोर कार्ड में संशोधन के लिए समिति

कृषि वैज्ञानिक चयन मण्डल द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत विभिन्न वैज्ञानिक पदों पर सीधी भर्ती के लिए वर्तमान स्कोर कार्ड की समीक्षा करने के लिए संयोजक के रूप में डॉ. एस.के. बंद्योपाध्याय, सदस्य, कृषि वैज्ञानिक चयन मण्डल के साथ वरिष्ठ बाह्य विशेषज्ञों की एक समिति का गठन किया गया। समिति द्वारा अभी तक छ: बैठकें की जा चुकी हैं और एक मसौदा संशोधित स्कोर कार्ड को अंतिम रूप प्रदान किया गया है जो कि प्रमाणन प्रक्रिया में है।

## भा.कृ.अनु.प. की अलाभकारी इकाइयों/केन्द्रों/स्टेशनों की समीक्षा के लिए समिति

विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अलाभकारी इकाइयों/केन्द्रों/स्टेशनों की समीक्षा करने के लिए डॉ. एस.के. बंद्योपाध्याय, सदस्य, कृषि वैज्ञानिक चयन मण्डल की अध्यक्षता में गठित समिति की बैठक दिनांक 15 अप्रैल, 2014 को आयोजित की गई।

❑